संगोष्ठी | भारतीय जीवन दर्शन के माध्यम से जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर चर्चा

भारतीय ज्ञान परंपरा ही पर्यावरण संरक्षण का मार्ग : डॉ. कोठारी

नवभारत, जबलपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम कॉलेज में 'पर्यावरण संरक्षण में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मंगलवार को गरिमामय वातावरण में किया गया। उद्घाटन सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं, शिक्षाविदों, पर्यावरणविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता उत्पन्न करना तथा वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान के लिए भारतीय चिंतन को व्यवहार में लाना है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि विश्व जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनका स्थायी समाधान भारतीय जीवन दर्शन में निहित है।

भारतीय जीवन मूल्यों से व्यापक परिवर्तन संभव

डॉ. कोठारी ने आगे कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने परिवार में जल बचाने, वृक्ष लगाने, प्लास्टिक उपयोग कम करने, स्वच्छता रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प ले, तो समाज में व्यापक परिवर्तन संभव है। भारतीय संस्कृति में पृथ्वी को माता, नदियों को देवी, वृक्षों को देवतुल्य और समस्त जीव-जगत को एक परिवार के रूप में देखा गया है। यही दृष्टि भारत को विश्व के सामने पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मॉडल प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदान करती है। उन्होंने युवाओं से भारतीय ज्ञान प्रणाली को समझने और उसे व्यवहार में उतारने का आह्वान किया।

पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक दायित्व

न्यास के राष्ट्रीय सह-संयोजक संजय स्वामी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। भारतीय संस्कृति प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देती है। यदि समाज भारतीय जीवन मूल्यों को अपनाकर जल, जंगल, जमीन, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

मातृभाषा और राष्ट्रीय एकता का संकल्प

कार्यक्रम की अध्यक्षता रादुविवि के कुलगुरु डॉ. राजेश वर्मा ने की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय भाषाओं के महत्व पर बल देते हुए उपस्थित सभी लोगों को 'एक नाम भारत' का संकल्प दिलाया तथा अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने की शपथ भी दिलाई और कहा कि मातृभाषा में कार्य करना आत्मगौरव, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। भारतीय भाषाओं के व्यापक उपयोग से ही ज्ञान का लोकतंत्रीकरण और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है।

संगोष्ठी में कई विशेषज्ञों ने साझा किये अपने विचार

संगोष्ठी में कई विशेषज्ञों ने जल प्रबंधन, जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग, भारतीय कृषि परंपरा, पंचमहाभूत की अवधारणा तथा सतत विकास पर विचार रखे। अंत में डॉ. योगेश मोहन दुबे ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में आर. के. करसोलिया, डॉ. राजेंद्र कुरारिया, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अल्केश चतुर्वेदी, डॉ. अशोक खंडेलवाल, डॉ. पवन तिवारी, डॉ. एस. एस. संधू, डॉ. राकेश बाजपेयी, डॉ. आशुतोष दुबे, डॉ. ध्रुव दीक्षित और डॉ. संजय तिवारी सहित कई प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्षा मंत्री से मिला बीपीएमएस का प्रतिनिधिमंडल

जबलपुर, नवभारत। भारतीय प्रतिरक्षा मज़दूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव संजीव कुमार (आईएएस) से मुलाकात कर रक्षा नागरिक कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व आयुध निर्माणी बोर्ड के कर्मचारियों की डीम्ड डेपुटेशन को सेवानिवृत्ति तक बढ़ाने, पात्र कर्मचारियों को ओवरटाइम अलाउंस का बकाया तथा नाइट ड्यूटी अलाउंस के भुगतान के निर्णय के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।बैठक में संघ ने अनुकंपा नियुक्ति योजना को पुनः लागू करने, एनपीएस से पहले रिक्त पदों पर नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने, ओंएफबी के पूर्व कर्मचारियों को स्थायी सीसीडी स्मार्ट कार्ड जारी करने, महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत होने पर हॉस्पिटल पेशेंट केयर अलाउंस में 25 प्रतिशत वृद्धि करने, डीजीक्यूए में पद स्थानांतरण संबंधी अधिकार बढ़ाने तथा ऑर्डनेंस फैक्ट्रियों के डॉक्टरों, अस्पताल और स्कूल स्टाफ को सेवानिवृत्ति तक डीम्ड डेपुटेशन पर बनाए रखने की मांग प्रमुखता से उठाई।

अनुकंपा नियुक्ति योजना को दोबारा शुरू करने के प्रयास

रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव संजीव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि अनुकंपा नियुक्ति योजना को दोबारा शुरू करने पर विभाग सक्रियता से कार्य कर रहा है और जल्द ही उपयुक्त व्यवस्था लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि ऑर्डनेंस फैक्ट्री अस्पतालों के डॉक्टरों और कर्मचारियों की सेवा शर्तें पूरी तरह सुरक्षित रहेंगी। वहीं, ऑर्डनेंस फैक्ट्री स्कूलों के केवीएस में विलय के बाद शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए उनकी सेवा संबंधी चिंताओं का सकारात्मक समाधान किया जाएगा। अन्य लंबित मांगों पर भी शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। बैठक में भारतीय प्रतिरक्षा मज़दूर संघ के महासचिव रविंद्र कुमार मिश्रा के साथ अमित चौबे, रूपेश पाठक, राजेंद्र चराड़िया, प्रेमलाल सेन, सतीन शर्मा, संजय प्रधान, राम सिंह धाकड़, रविश रंजन, मुकेश पांडे और रमेश यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर में

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम पर कार्यशाला आज

नवभारत,जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 को प्रभावी, समन्वित और जिम्मेदारी से लागू करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन आज सुबह 11 बजे से सुभाष चन्द्र बोस कन्वेंशन सेंटर, घंटाघर में किया गया है। इस कार्यशाला में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, निगमाध्यक्ष रिंकू विज, एम आई सी सदस्य डॉ सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेंद्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, समस्त पार्षदगणों के अलावा नगर पालिका अध्यक्ष, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहेंगे। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने सभी संबंधित जनों, अधिकारियों कर्मचारियों से निर्धारित समय के पूर्व कार्यशाला में पधारने अपील की है।

684 बिजली कर्मचारियों को पदोन्नति का तोहफा

नवभारत, जबलपुर। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के 684 अधिकारियों और कर्मचारियों को लंबे इंतजार के बाद पदोन्नति का लाभ मिला । विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक के बाद गत दिवस पदोन्नति आदेश जारी किए गए। आदेश जारी होते ही कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में खुशी का माहौल बन गया। जारी आदेशों के अनुसार प्रथम श्रेणी के 16, द्वितीय श्रेणी के 4, तृतीय श्रेणी के 259 और चतुर्थ श्रेणी के 405 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। वर्षों से लंबित इस प्रक्रिया के पूरा होने पर कर्मचारियों ने राहत और प्रसन्नता व्यक्त की। कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार जताया। उनका कहना है की पदोन्नति मिलने से न केवल लंबे समय से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त हुई है, बल्कि अब कार्य के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा वहीँ कंपनी प्रबंधन का मानना है की इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी।

जबलपुर हेल्पिंग एसोसिएशन ने बांटे बस्ते और जूते

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर हेल्पिंग एसोसिएशन द्वारा 7 जुलाई को पीएल शर्मा के सौजन्य से आदर्श कन्या विद्यालय, प्रेमनगर में अध्ययनरत जरूरतमंद बच्चों को बस्ते एवं जूते प्रदान किए गए। संस्था के मूल मंत्र 'सेवा परमो धर्म' पर समस्त बच्चों को शिक्षा मिले और आर्थिक अभाव से बच्चे शिक्षा से वंचित न हों, इसी उद्देश्य से संस्था महानगर जबलपुर में कार्यरत है। इस दौरान में प्रमोद वैश्य, पीएल शर्मा, संतोष पटेल और अरविंद पटेल उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स के लिए पोषण एवं सैनिटरी स्वच्छता पर व्याख्यान

नवभारत, जबलपुर। एनसीसी कैडेट्स के लिए पोषण एवं सैनिटरी स्वच्छता पर एक सुव्यवस्थित स्वास्थ्य-जागरूकता व्याख्यान का प्रस्तुतीकरण किया गया। यह व्याख्यान जबलपुर की प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. दिव्या दिवाकर द्वारा दिया गया, जिसमें संतुलित आहार, पर्याप्त जल सेवन, स्वस्थ खान-पान की आदतें, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा शारीरिक फिटनेस, सहनशक्ति और समग्र स्वास्थ्य में उचित आहार की भूमिका के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बालिका कैडेट्स को अलग से सैनिटरी स्वच्छता, मासिक धर्म स्वास्थ्य, सैनिटरी उत्पादों के सुरक्षित उपयोग एवं निपटान, साफ-सफाई, संक्रमण से बचाव तथा कैंप गतिविधियों के दौरान गरिमा और आत्मविश्वास बनाए रखने के बारे में विशेष रूप से समझाया गया। इस ज्ञानवर्धक सत्र से कैडेट्स में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा प्रशिक्षण के एक आवश्यक भाग के रूप में अनुशासित व्यक्तिगत देखभाल की आवश्यकता को मजबूत किया गया। व्याख्यान के समापन के बाद, लिम्पिया हाइजीन प्रोडक्ट्स के सौजन्य से सभी उपस्थित बालिका कैडेट्स को नि:शुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए।

शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रसारित

नवभारत, जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश द्वारा माता गुजरी महिला महाविद्यालय में 7 जुलाई को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संबंध में फैकल्टी सदस्यों और कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों और कर्मचारियों को विद्यार्थियों की मानसिक, भावात्मक एवं व्यवहारगत समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ समझने, उनकी आवश्यकताओं की पहचान करने और समय पर उचित मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। महाविद्यालय के सभी फैकल्टी सदस्य और कर्मचारी परिसर के सभा कक्ष में एकत्रित होकर इस प्रशिक्षण में शामिल हुए।

मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में हुआ कार्यक्रम

यह आयोजन मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पाहवा और प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए सकारात्मक, सुरक्षित एवं सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण के निर्माण पर विशेष बल दिया गया। इसे सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक राफेल परस्तेर एवं प्रभात केवट का तकनीकी सहयोग महत्वपूर्ण रहा। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीता मुखर्जी, सह-संयोजक रजनी गुप्ता और मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेंट थॉमस स्कूल में बच्चों को मिली साइबर सुरक्षा की सीख

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, क्यूआर कोड स्कैम एवं साइबर बुलिंग आदि से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड अथवा सीवीवी किसी के साथ साझा न करें तथा सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करें।

विद्यार्थियों ने ली साइबर सुरक्षा की शपथ

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएंगे, साइबर अपराधों के प्रति सजग रहेंगे तथा अपने परिवार एवं मित्रों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। इसके साथ ही बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल साइबरक्राइम.गॉव.इन पर शिकायत दर्ज कराए। अंत में थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा सभी विद्यार्थियों से अपील की गई कि 'सोच-समझकर करें क्लिक, तभी रहेगा आपका डिजिटल जीवन सुरक्षित।'

इंडियन आइडल के तनिष्क शुक्ला का कल शहर आगमन

नवभारत,जबलपुर। संस्कारधानी के सपूत और इंडियन आइडल-16 फेम तनिष्क शुक्ला 9 जुलाई को एक दिवसीय प्रवास पर अपने गृह नगर जबलपुर आ रहे हैं। उनके स्वागत में सुबह 9 बजे आदर्श महाकौशल कॉलेज, सिविल लाइंस से शहर के प्रमुख मार्गों से होकर भव्य स्वागत रैली निकाली जाएगी। स्वागत रैली के बाद दोपहर 2 बजे तनिष्क अपने आधारताल स्थित निवास पर प्रशंसकों से मुलाकात करेंगे। वहीं शाम 7 बजे से शहीद स्मारक में उनका लाइव गायन कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां वे अपनी मधुर प्रस्तुति से शहरवासियों का मनोरंजन करेंगे। इसके बाद रात 10 बजे वे मां नर्मदा का पूजन एवं आरती करेंगे।अपने एक दिवसीय प्रवास के बाद तनिष्क शुक्ला 10 जुलाई की सुबह डुमना एयरपोर्ट से इंडियन आइडल-16 के ग्रैंड फिनाले की तैयारियों के लिए मुंबई रवाना होंगे। शहर के सांस्कृतिक संगठनों और संगीत प्रेमियों ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उनका भव्य स्वागत करने की अपील की है।

ब्लासम्स म्यूजिकल संस्था ने दत्त मंदिर में सुरीली शाम सजाई

नवभारत, जबलपुर। ब्लासम्स म्यूजिकल संस्था द्वारा दत्त मंदिर परिसर में पुराने और नए गीतों से सजी एक खूबसूरत शाम का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसमें अलग-अलग गीतों के माध्यम से नगर के बेहतरीन गायक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से श्रोताओं का मन मोह लिया और सभागार तालियों से गूंज उठा। इस संगीतमय कार्यक्रम में डॉ. मीनाक्षी शर्मा, महेश कुमार, कविता नायक, संदीप चक्रवर्ती, पूर्णिमा अग्रवाल, डी.एन.सिंह, मेहुल परिहार, उदय प्रताप, संजय चक्रवर्ती, मधुमिता, अनुज श्रीवास्तव, हरीश मनवानी, अरुण, सुशील श्रीवास्तव, प्रतिभा दुबे और ललित श्रीवास्तव ने अपने सुरीले गीतों से समां बांधा। कार्यक्रम के दौरान, 'आजा मेरी बर्बाद मोहब्बत', 'भीगी भीगी रातों में', 'थोड़ी सी जो पी ली है', 'दिल है तुम्हारा', 'राधा कैसे ना जले', 'याद आ रही है', 'आया न हमको प्यार जताने', 'नैन तुम्हारे मजेदार', 'ये किसने गीत छेड़ा', 'जीने के हैं चार दिन' और 'मेरे नैना सावन भादों' जैसे लोकप्रिय गीतों ने खूब धूम मचाई। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन डी. एन. सिंह ने किया और अंत में उपस्थित सभी कलाकारों एवं श्रोताओं का आभार डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने व्यक्त किया।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में बैनर और पोस्टर से प्रचार वर्जित

नवभारत, जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में विभिन्न पदों पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी जबलपुर जिले में किसी भी स्थान पर बैनर, फ्लेक्स और पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार नहीं कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता जीएस ठाकुर ने वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि ऐसा करना निर्वाचन प्रक्रिया के नियम विरुद्ध होगा एवं ऐसे प्रत्याशी पर निर्वाचन समिति कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगी। निर्वाचन समिति चुनाव को पूर्ण शालीनता एवं नियमानुसार कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए पूर्व में ही समस्त प्रत्याशियों को सूचना जारी की जा चुकी है कि किसी भी तरह का फ्लेक्स या बैनर न्यायालय परिसर या जबलपुर जिले में नहीं लगाया जाएगा।

पांच वर्ष की सजा वाले प्रत्याशी अपात्र-इस दौरान जीएस ठाकुर ने स्पष्ट किया कि जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में सम्मिलित हुए जो प्रत्याशी न्यायालय द्वारा 5 वर्ष से अधिक की सजा में दोषी करार दिए गए हैं, उन्हें चुनाव प्रक्रिया में निर्वाचन समिति अपात्र घोषित करेगी। इसका अर्थ यह है कि आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त व्यक्ति किसी भी पद पर चुनाव के लिए प्रत्याशी नहीं बन सकेंगे। जबलपुर जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव आगामी 20 जुलाई को होने जा रहा है। नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होने पर पहले दिन 14 प्रत्याशियों ने विभिन्न पदों पर अपने नामांकन दाखिल किए। इसमें अध्यक्ष के 1 पद, 2 उपाध्यक्ष, 1 महिला उपाध्यक्ष, 1 सचिव, 2 सह सचिव, 1 कोषाध्यक्ष एवं 6 कार्यकारिणी सदस्य पद शामिल हैं।

निरीक्षण | 15 अगस्त को होगा पौने दो करोड़ से बन रहे भारत माता मंदिर का लोकार्पण

राष्ट्र और भारत माता हमारे लिए सर्वोपरि : महापौर

नवभारत,जबलपुर। राष्ट्र और भारत माता हमारे लिए सर्वोपरि हैं। इसी भावना को साकार करते हुए आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर शहर में नवनिर्मित भारत माता मंदिर का भव्यता और दिव्यता के साथ लोकार्पण किया जाएगा। यह बात महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने मंदिर निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण के दौरान कही।

नागरिकों को देशभक्ति के सूत्र में पिरोने और एक अनूठी सौगात देने के उद्देश्य से पौने 2 करोड़ रुपये की लागत से इस भव्य भारत माता मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। महापौर अन्नू ने एम.आई.सी. सदस्यों, पार्षदों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।

कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

महापौर ने कहा कि यह परियोजना शहर के गौरव और जन-भावनाओं से जुड़ी है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने सभी शेष कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर यानी 15 अगस्त से पहले अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं ताकि समय पर लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान निगमाध्यक्ष रिंकू विज,एम.आई.सी. सदस्य विवेकराम सोनकर, दामोदर सोनी, डॉ. सुभाष तिवारी, अंशुल राघवेन्द्र यादव, रजनी कैलाश साहू, पार्षद प्रतिभा भापकर, सोनिया रंजीत सिंह, अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, सहायक आयुक्त शिवांगी महाजन, उद्यान अधिकारी मनीष तड़से के साथ सहायक यंत्री दीप्ति भनारिया, उपयंत्री सौरभ चौकसे आदि उपस्थित रहे।

अब तक 200 से अधिक वॉटर रिचार्ज पिट तैयार

पानी बचाओ, पर्यावरण बढ़ाओ अभियान पर विशेष फोकस

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन की मंशानुरूप शहर को जल संकट से बचाने और भूजल स्तर को सुधारने के लिए नगर निगम द्वारा एक बेहद सराहनीय और सकारात्मक पहल की जा रही है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के दिशा-निर्देशों पर नगर निगम के जल, भवन और उद्यान विभाग ने आपसी समन्वय के साथ पानी बचाओ, पर्यावरण बढ़ाओ अभियान को धरातल पर उतारना शुरू कर दिया है। इस वृहद अभियान के तहत शहर में वर्षाजल संचय के लिए युद्ध स्तर पर वाटर रिचार्ज पिट और सोकपिट का निर्माण किया जा रहा है।

निगमायुक्त अहिरवार ने बताया कि आधुनिक समय में कंक्रीट के बढ़ते जाल के बीच बारिश के पानी को सहेजने के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। नगर निगम द्वारा अब तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 200 से अधिक वाटर रिचार्ज पिट का निर्माण सफलतापूर्वक कराया जा चुका है। इसका सीधा फायदा आने वाले समय में शहर के गिरते भूजल स्तर को सुधारने और जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने में मिलेगा। वर्षाजल को सीधे जमीन के भीतर भेजने की यह तकनीक न केवल भविष्य में पानी की किल्लत को दूर करेगी, बल्कि हरियाली और पर्यावरण को भी नया जीवन देगी। नगर निगम के इस सकारात्मक प्रयास से नागरिकों में भी जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। निगम प्रशासन के साथ-साथ यदि आम नागरिक भी अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाएं, तो यह अभियान शहर के पर्यावरण को पूरी तरह से संरक्षित रख सकता है। मौके पर अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, भवन अधिकारी नवीन लोनारे, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, जागेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह कौरव, उद्यान अधिकारी मनीष तड़से, सहायक यंत्री संदीप जायसवाल, श्रीमती दीप्ति भनारिया, सौरभ त्रिपाठी, सौरभ चैकसे आदि के द्वारा कराया जा रहा है।